

नं०:- 17/2024

तारीखरजू:- 24/5/24

उनवान:- फरेबी बनाम मोतीराम
प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा

क्र.सं.	फर्द अहकाम
4/24	<p>प्रार्थी की ओर से श्री मनोज कुमार शर्मा एडवोकेट ने प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 212 रा0टि0एक्ट के तहत प्रस्तुत किया गया। अवलोकन किया गया। प्रार्थी की एक पक्षीय बहस सुनी गई। प्रार्थी की एकपक्षीय बहस पर मनन किया पत्रावली का अवलोकन किया। गैरसायलान को बिना सुनवाई का अवसर दिये बिना अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना उचित नहीं है। अतः प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगण को तहसील क्षेत्र टोडाभीम को जरिए तहसीलदार एवं तहसील क्षेत्र टोडाभीम से बाहर के नोटिस जरिए रजिस्टर्ड ए.डी. से तलब होकर पत्रावली दिनांक 30.05.2024 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">(सुनीता पीना) उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर टोडाभीम जिला गंगापुर सिटी</p> <p>30/5/24 पत्रावली पेश हुई। बार की झार से कार्य स्थगन रखा गया है एवं प्रतिवादी नए। लगा उके नोटिस तामील इन्कार होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई वास्ते दिनांक 28.6.24 को पेश हो।</p> <p>28/6/24 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वकील उपस्थित। अप्रार्थी नए। लगा उ की ओर से जी सुरेश चन्द शर्मा एडवो ने वकालतनामा पेश किया। जो शामिल पत्रावली रहे। वास्ते जबाब पेश करने दिनांक 24.7.24 को पेश हो।</p> <p>24/7/24 पत्रावली पेश हुई। वकील उमरपअकारम उए। अप्रार्थी वकील को जबाब पेश करने की हिडाफत दी गई। वास्ते जबाब पेश करने दिनांक 7.8.24 को पेश हो।</p>

2001-03
24/5/23



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलेक्टर टोडाभीम जिला

दिनांक	कार्य अहकाम	य
--------	-------------	---

27.6.25 पत्रावली पक्षाकारण के प्राचीन पत्र के लक्षण
 की गई। उक्त पत्र कारण-पक्षाकारण की
 इस वाक्य प्राचीन पत्र लिखा की इस प्रकार
 कि वाक्य प्राचीनता ही बना है। मुख्यतः
 प्राचीन पत्र वाक्य की लिखे चला रहने
 परमादि अदि। प्राचीन पत्र का स्वकीय
 लिखा लिखे के समत है। उक्त प्राचीन
 का प्राचीन पत्र वाक्य की लिखे चला खा फेला
 की जाती है। पत्रावली के अंतर्गत
 नामक के कम कलवादी की जाती है। प्राचीन
 के अंतर्गत नामक के कम सहायक
 उपर है

पत्रावली प्राचीन
 को नाम
 Ident
 (1) नाम

उप जिला कलेक्टर
 टोडाभीम (करोली)